

दी गई कहानी में रिक्त स्थानों की पूर्ति निम्न शब्दों से करें ---
की , के द्वारा, मैं , ने, को , से , पर



जंगल के एक बड़े वट-वृक्ष की खोल में बहुत से बगुले रहते थे ।
उसी वृक्ष ---- जड़ में एक साँप भी रहता था
। वह बगुलों के छोटे-छोटे बच्चों को खा
जाता था ।

एक बगुला साँपबार-बार बच्चों के

खाये जाने पर बहुत दुःखी और विरक्त सा होकर नदी के किनारे आ बैठा ।

उसकी आँखोंआँसू भरे हुए थे ।

उसे इस प्रकार दुःखमग्न देखकर एक

केकड़ेपानी से निकल कर उसे कहा :-"मामा ! क्या
बात है, आज रो क्यों रहे हो ?"

बगुले ने कहा - "भैया ! बात यह है कि मेरे बच्चों ---- साँप
बार-बार खा जाता है । कुछ उपाय नहीं सूझता, किस प्रकार
साँप का नाश किया जाय । तुम्हीं कोई उपाय बताओ ।"

केकड़े ने मन में सोचा, 'यह बगुला मेरा जन्मवैरी है, इसे ऐसा उपाय बताऊंगा, जिससे साँप के नाश के
साथ-साथ इसका भी नाश हो जाय ।' यह सोचकर वह बोला -

"मामा ! एक काम करो, मांस के कुछ टुकड़े लेकर नेवले के बिल के सामने
डाल दो । इसके बाद बहुतटुकड़े उस बिल से शुरू करके साँप के
बिल तक बखेर दो । नेवला उन टुकड़ों को खाता-खाता साँप के बिल तक
आ जायगा और वहाँ साँप को भी देखकर उसे मार डालेगा ।"

बगुले ने ऐसा ही किया । नेवले ने साँप को तो खा लिया किन्तु साँप के
बाद उस वृक्षरहने वाले बगुलों को भी खा डाला ।

बगुले ने उपाय तो सोचा, किन्तु उसके अन्य दुष्परिणाम नहीं सोचे । अपनी मूर्खता का फल उसे मिल
गया ।

सीख : करने से पहले सोचो

